DESU has also been advised to maximise generation at its stations, check pilferage reduce T&D losses, have better demand management and observe and enforce energy conservation measures.

(c) and (d) According to information received from Government of National Capital Territory of Delhi, DESU has made a few alternative proposals of a general character for privatisation of power distribution in Delhi which are at a preliminary stage of examination by the Government of Delhi.

CBI probe into oilfield award to Reliance Enron

1868. SHRI SATISH AGARWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem appearing in the Business Standard of 17th June, 1996 captioned "CBI probes Oilfield Award to Reliance Enron"; and

(b) if so, the details thereof and the action proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI T.R. BAALU): (a) Yes, Sir.

(b) CBI has initiated a preliminary enqiry in the matter.

आवास समस्या को सुलझाया जाना

1869. **श्री राधाकिशन मालवीय:**
श्री इकबाल सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में आवासीय समस्या से निपटने के लिए ग्रामीण तथा शहरी दोनों स्तरों पर कोई प्रयास कर रही है;

(ख) यदि हां, तो गत पांच वर्षों में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कितने आवासों का निर्माण किया गया है और विभिन्न समुदायों के गरीब और पिछड़े लोगों को आबंटित किए जाने वाले मकानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार सन् 2000 तक आवास समस्या को सुलझाने में सफल हो जाएगी; और

(घ) यदि हां, तो प्रति वर्ष कितने मकानों का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० यू० वेंकटस्वरलू): (क) आवास राज्य का विषय है अतः विभिन्न आय वर्गों के लिए उनकी योजना प्राथमिकताओं तथा संसाधनों के अनुसार आवास योजना तैयार और कार्यान्वित करना मुख्यता राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है। केन्द्र सरकार द्वारा विशेष लक्ष्य समूहों को आवास सुविधायें मुहैया कराने के लक्ष्य वाली अनेक योजनाऐं तैयार और कार्यान्वित करके राज्य सरकारों के इन प्रयासों में केवल योगदान दिया जाता है। ये योजनाऐं इस प्रकार है:

(I) शहरी निर्धनों के लिए नेहरू रोजगार योजना के अन्तर्गत आश्रय उन्नयन;

(II) शहरों में फुटपाथ पर रहने वालों के लिए रैन-बसेरे तथा स्वच्छता सुविधायें;

(III) गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए ग्रामीण आवास योजनाएं;

(IV) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति से संबंधित ग्रामीण निर्धनों, मुक्त किये गए बंधुआ मजदूरों तथा गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले अन्य लोगों के लिए इन्दिरा आवास योजना;

(V) आवास योजनाओं के कार्यान्यिन के लिए राज्य अभिकरणों को हुडको के माध्यम से आवास वित्त उपलब्ध कराना।

(ख) शहरी क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान निर्मित रिहायशी एककों की राज्य-वार संख्या, जैसा कि विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रबोधन के संबंध में बताया गया है, विवरण-I में दी गई है **(नीचे देखिए)**। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत पिछले पांच वर्षों के दौरान निर्मित रिहायशी एककों की राज्य-वार संख्या विवरण-II में दी गई है **(नीचे देखिए)**। हुडको ने पिछले पांच वर्षों अर्थात् 1991-92 से 1995-96 के दौरान शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर वर्गों के लिए कुल 1473820 रिहायशी एककों के निर्माण को स्वीकृति दी है। राज्य-वार ब्यौरे विवरण-III तथा विवरण IV में दिए गए है **(नीचे देखिए)**।

(ग) और (घ) संसद द्वारा 1994 में स्वीकृत राष्ट्रीय आवास नीति में अगले दस वर्षों के दौरान मकानों की कमी दूर करने का उल्लेख है। आठवीं पंचवर्षीय योजना दस्तावेज के अनुसार शहरी तथा ग्रामीण इलाकों में औपचारिक क्षेत्र में प्रति वर्ष लगभग 13 लाख एककों का निर्माण किया जाएगा।

विवरण-I

20 सूत्री कार्यक्रम के सूत्र 14(घ) के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के पिछले पांच वर्षों के दौरान निर्मित मकानों की संख्या दर्शाने वाला विवरण।

क्र०सं०	राज्य / संघ प्रदेश	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
1	आंध्र प्रदेश	35000	43035	55424	48082	55034
2.	असम	760	228	294	1412	771
3.	बिहार	24	496	42	—	192
4.	गोवा	48	50	20	—	—
5.	गुजरात	1946	1571	1445	438	2474
6.	हरियाणा	459	1182	641	56	31
7.	हिमाचल प्रदेश	50	30	30	15	30
8.	जम्मू व कश्मीर	191	2	1	2	11
9.	कर्नाटक	4397	5564	7521	7846	4572
10.	केरल	5482	3152	22051	19526	30373
11.	मध्य प्रदेश	3603	5895	6013	5559	4254
12.	महाराष्ट्र	7294	10675	4410	4987	1500
13.	मेघालय	189	165	547	—	—
14.	मिजोरम	120	300	100	—	—
15.	उड़ीसा	1733	1171	2723	5539	477
16.	राजस्थान	1781	2494	1994	2911	1382
17.	सिक्किम	60	50	40	—	150
18.	पंजाब	100	2364	421	—	388
19.	तमिलनाडु	12583	12800	9948	7676	7366
20.	त्रिपुरा	201	92	387	507	—
21.	उत्तर प्रदेश	18248	17348	5122	4553	3810
22.	पश्चिमी बंगाल	—	150	25	2000	—
23.	दिल्ली	4564	3726	2686	1763	—
24.	अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह	—	40	—	—	—
25.	दमन व दीव	—	—	10	—	—
	योग:	98833	114680	122895	116817	113646

विवरण-II

इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत 1991-92 से 1995-96 तक निर्मित मकान।

क्र०सं०	राज्य / संघ प्रदेश	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
1.	आंध्र प्रदेश	10876	10961	44897	57683	69086
2.	अरुणाचल प्रदेश	233	218	120	219	420
3.	असम	1231	1037	4304	6862	24871
4.	बिहार	22541	28189	88960	59216	114506
5.	गोवा	52	55	358	329	967
6.	गुजरात	6939	4889	7117	7895	31770
7.	हरियाणा	968	1002	1552	3536	9024

क्र०सं०	राज्य / संघ प्रदेश	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
8.	हिमाचल प्रदेश	362	351	629	853	1727
9.	जम्मू व काश्मीर	495	425	390	1697	2900
10.	कर्नाटक	6092	7197	8820	13831	37460
11.	केरल	5172	4100	16999	18548	29368
12.	मध्य प्रदेश	40644	47156	48108	48967	125757
13.	महाराष्ट्र	9927	8778	18870	22812	66348
14.	मणिपुर	160	213	208	197	784
15.	मेघालय	388	432	353	283	207
16.	मिजोरम	256	224	240	368	470
17.	नगालैण्ड	1581	1603	1536	895	470
18.	उड़ीसा	17028	11305	10588	13297	51033
19.	पंजाब	1191	3359	2739	3849	1121
20.	राजस्थान	13174	10541	19958	28934	41756
21.	सिक्किम	166	140	142	108	1065
22.	तमिलनाडु	60768	14409	33758	33176	56885
23.	त्रिपुरा	672	363	636	567	1348
24.	उत्तर प्रदेश	20262	22218	47722	50908	159073
25.	पश्चिम बंगाल	8223	13300	13389	15526	34278
26.	अड० व नि० द्वीप समूह	17	20	21	21	21
27.	चंडीगढ़	0	0	0	0	0
28.	दादरा व नगर हवेली	53	52	60	59	13
29.	दमन व दीव	26	21	13	45	62
30	दिल्ली	0	0	0	0	0
31.	लक्ष्यद्वीप	0	0	0	0	10
32.	पांडिचेरी	22	47	48	0	36
	योग:	207299	192585	372535	390482	862836

विवरण-III

आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों (शहरी) के लिए स्वीकृत एककों की वर्षवार/राज्य-वार संख्या।

		रिहायशी एकक				
क्र०सं०	राज्य/संघ प्रदेशों के नाम	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
1.	आंध्र प्रदेश	44834	9319	12496	15217	5063
2.	असम	3585	580	0	0	2085
3.	बिहार	20000	0	1201	743	1025
4.	गोवा	0	232	0	0	0
5.	गुजरात	1979	4336	3156	1868	1983
6.	हिमाचल प्रदेश	646	0	0	4	0
7.	हरियाणा	755	675	2872	0	0
8.	जम्मू व कश्मीर	38	0	0	0	0
9.	केरल	89561	2085	180	3767	11150

		रिहायशी एकक				
क्र०सं०	राज्य/संघ प्रदेशों के नाम	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
10.	कर्नाटक	6232	5330	2867	11778	4290
11.	मेघालय	1307	204	95	2432	0
12.	महाराष्ट्र	15007	1235	1603	1280	0
13.	मणिपुर	0	0	0	20	20
14.	मध्य प्रदेश	13983	2148	585	148	150
15.	मिजोरम	0	0	0	0	0
16.	नागालैंड	0	360	250	250	0
17.	उड़ीसा	11466	697	411	1251	0
18.	पंजाब	6570	2471	877	0	0
19.	राजस्थान	2636	2569	2349	1755	1075
20.	सिक्किम	400	250	0	0	0
21.	तमिलनाडु	66892	34240	4215	1811	1047
22.	त्रिपुरा	0	0	0	0	50
23.	उत्तर प्रदेश	81220	3997	3594	1473	2863
24.	पश्चिम बंगाल	8000	1924	3000	0	0
25.	अंडमान निकोबार	0	0	0	0	0
26.	चण्डीगढ़	0	1014	1968	0	0
27.	दिल्ली	0	0	0	0	0
28.	दादरा नागर हवेली	0	0	0	0	0
29.	पांडिचेरी	940	0	0	0	0
	योग :	376051	73666	41719	43797	30481

विवरण-IV

आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों (ग्रामीण) के लिए स्वीकृत एककों की वर्षवार/राज्य-वार संख्या।

		रिहायशी एकक				
क्र०सं०	राज्य/संघ प्रदेशों के नाम	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
1.	आंध्र प्रदेश	65050	29037	60616	18880	24500
2.	असम	1825	1500	805	3000	9167
3.	बिहार	0	0	11998	2666	11032
4.	गोवा	0	0	0	0	0
5.	गुजरात	8261	9364	10338	7380	4390
6.	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	12438
7.	हरियाणा	0	2564	4627	0	0
8.	जम्मू व कश्मीर	0	0	0	0	0
9.	केरल	9150	21930	35170	4044	4220
10.	कर्नाटक	12019	6000	5650	43661	26242

क्र०सं०	राज्य / संघ प्रदेशों के नाम	रिहायशी एकक				
		1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
11.	मेघालय	175	0	1612	2300	0
12.	महाराष्ट्र	4669	2399	0	5000	0
13.	मणिपुर	0	0	0	416	0
14.	मध्य प्रदेश	0	0	0	0	116
15.	मिजोरम	0	0	0	0	0
16.	नागालैंड	0	0	0	0	0
17.	उड़ीसा	17000	14611	2769	5530	4600
18.	पंजाब	0	0	0	0	0
19.	राजस्थान	0	0	0	7500	10900
20.	सिक्किम	0	500	0	0	0
21.	तमिलनाडु	22000	22570	37501	37200	18271
22.	त्रिपुरा	0	0	0	0	0
23.	उत्तर प्रदेश	68486	49554	43501	18917	18917
24.	पश्चिम बंगाल	7440	8300	4700	1075	2050
25.	अंडमान निकोबार	0	0	0	0	0
26.	चण्डीगढ़	0	0	0	0	0
27.	दिल्ली	0	0	0	0	0
28.	दादरा नागर हवेली	0	0	0	0	0
29.	पांडिचेरी	0	0	0	0	0
	योग :	216075	168329	219290	157569	146843

Deep-Sea fishing vessels operating under Indian Flag

1870. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) the number of deep-sea fishing vessels actually operating under Indian Flag;

(b) whether Government are levying extremely high docking charges on these vessels at Visakhapatnam Fishries Harbour; and

(c) what steps Government propose to take to reduce berthing charges for deep-sea fishing vessels at Visakhapatnam?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI DILIP KUMAR RAY): (a) At present, there are 90 fully Indian owned deep sea fishing vessels operating under the Indian Flag. There arc also. 18 Indian flag deep sea fishingvessels operating under Joint Venture.

(b) and (c) The Ports are required to operate on commercial lines, but the berth hire charges at Visakhapatnam Fisheries Harbour for fishing trawlers were fixed considering only the operating cost. However, on the request of fishing industry, berthing charges were revised with effect from 1.7.1994.